जामिया मिल्लिया इस्लामिया

08 जून 2020

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया के विधि विभाग का "स्वास्थ्य आपात स्थितियां और सार्वजनिक स्वास्थ्य सुधारः संभावनाएँ और चुनौतियाँ" विषय पर वेबिनार

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के विधि विभाग ने कोविड-19 महामारी के बीच, 7 जून 2020 को "स्वास्थ्य आपात स्थितियां और सार्वजनिक स्वास्थ्य सुधारः संभावनाएं तथा चुनौतियां" विषय पर दूसरा वेबिनार आयोजित किया। विश्विद्यालय के शताब्दी वर्ष समारोह के तहत इसका आयोजन हुआ। कुलपति प्रो नजमा अख्तर ने इसका उद्घाटन किया और अकादमिक गतिविधियों को ऑनलाइन जारी रखने के लिए विधि संकाय को बधाई दी।

फैकल्टी ऑफ लॉ के एसोसिएट प्रोफेसर और वेबिनार के संयोजक डा गुलाम यज़दानी ने परिचयात्मक संबोधन किया और फैकल्टी के डीन, प्रो साजिद ज़ेड अमानी ने वेबिनार में हिस्सा लेने वाले सभी लोगों का स्वागत किया। वेबिनार के तकनीकी सत्र के पैनलिस्ट में श्री संजय हेगड़े (सीनियर एडवोकेट, उच्चतम न्यायालय), सुश्री आशा कश्यप (संस्थापक, कश्यप पार्टनर्स एंड एसोसिएट्स एलएलपी), डॉ नफीस फैज़ी (असिस्टेंट प्रोफेसर, जेएन मेडिकल कॉलेज एएमयू) और सुश्री धवानी मेहता (सीनियर रेजिडेंट फेलो, विधी सेंटर फॉर लीगल पॉलिसी) आदि शामिल थे।

विधि संकाय के एसोसिएट प्रोफेसर और वेबिनार के मॉडरेटर, डॉ सुभ्रदीप्त सरकार ने बताया कि इसमें स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थितियों के विभिन्न औषधीय, कानूनी पहलुओं और भारत में स्वास्थ्य सेवा की स्थिति पर व्यापक विचार-विमर्श किया। पैनलिस्टों ने भारत में कोविड-19 से निबटने में किए जा रहे अच्छे प्रयासों के साथ ही देश में बुनियादी ढांचे की खराब स्थिति और प्रशासनिक कमियों का भी उल्लेख किया। डॉ नफीस फैज़ी ने सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली बेहतर बनाने और निजी स्वास्थ्य क्षेत्र का नियमन करने पर ज़ोर दिया। सुश्री आशा कश्यप ने स्वास्थ्य आपात स्थिति के दौरान कानूनों और नियमों की प्रभावशीलता पर सवाल उठाया। सुश्री धवानी मेहता ने अपने विचारों को साझा करते हुए, आईपीसी और अन्य आपराधिक कानून होने के बावजूद, चिकित्सा स्वास्थ्य कर्मियो पर आपराधिक हमलों की घटनाओं पर चिंता जताई। श्री संजय हेगड़े ने महामारी से निपटने के लिए लोकतांत्रिक देशों के अधिनायकवादी रवैया अपनाए जाने पर चिंता व्यक्त की ।

वेबिनार में लॉ फैकल्टी के शिक्षकों, अकादमिक क्षेत्र के जाने माने लोगों, विभिन्न लॉ स्कूलों और जामिया के छात्रों की उत्सावर्धक हिस्सेदारी रही। माननीय कुलपति ने न केवल संपूर्ण वेबिनार में हिस्सा लिया, बल्कि इसमें हुए उच्च स्तरीय विचार-विमर्श पर गहरी संतुष्टि भी जताई। उन्होंने अकादमिक गतिविधियों के सतत प्रवाह को बनाए रखने के प्रयासों के लिए जामिया प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक